

कक्षा : सातवीं: गतिविधि

परिचय

पूरक-पाठ्यपुस्तक	बाल महाभारत कथा
पाठ	देवव्रत
शीर्षक	वचन-पालन
समय	दो कालांश
प्रकार	व्यक्तिगत
विद्यार्थी संख्या	एक
कौशल	लेखन, चिंतन, सृजनात्मकता
आवश्यक सामग्री	रंगीन कागज़, कलम और कार्यपत्र

चरण:-

1.शैक्षिक अधिगम:

- * विद्यार्थी शुद्ध एवं सरल भाषा द्वारा वाचन और लेखन कौशल विकसित कर सकेंगे ।
- * विद्यार्थियों में, चिंतन-कौशल सृजनात्मकता विकसित हो सकेगा ।

2.अध्यापिका गतिविधि :

- * अध्यापिका विद्यार्थियों को पाठ की कहानी को पढ़ने का निर्देश देंगी ।
- * कहानी के आधार पर 'वचन देने से पूर्व परिणाम के विषय में सोचना और वचन पूर्ति के लिए बलिदान देने की भावना' पर लगभग 100-125 शब्दों में एक अनुच्छेद लिखने का निर्देश देंगी ।
- * तत्पश्चात् अनुच्छेद को बारी-बारी से कक्षा में सुनाने को कहेंगी ।
- * अध्यापिका कार्यपत्र करने के लिए देंगी ।
- * अंत में अध्यापिका निर्धारित प्रारूप के आधार पर अनुच्छेद का मूल्यांकन करेंगी ।

3. विद्यार्थी -गतिविधि:-

- * अध्यापिका से प्राप्त निर्देशानुसार प्रत्येक विद्यार्थी अनुच्छेद को अपनी कापी में लिखेंगे ।
- * तत्पश्चात् वे बारी-बारी से अपने इस अनुच्छेद को कक्षा में सुनाएंगे ।
- * सभी विद्यार्थी कार्यपत्र पूरा करेंगे ।
- * अंत में विद्यार्थी मूल्यांकन हेतु अपने अनुच्छेद और कार्यपत्र अध्यापिका को देंगे ।

4.मूल्यांकन के मानदंड:-

क्रम संख्या	मूल्यांकन के क्षेत्र	अंक-10
1	विषय की प्रस्तुति	3
2	प्रभावोत्पादकता	3
3	भाषा का स्तर एवं शुद्धता	2
4	कार्य की पूर्णता	1
5	समयबद्धता	1

कार्यपत्र

पाठ: देवव्रत

गतिविधि : वचन-पालन

विद्यार्थी का नाम:

अनुक्रमांक:

प्रश्न.1. 'अब पछताए होत क्या जब चिड़िया चुग गई खेत।' इस पंक्ति को चरितार्थ करता हुआ अपना कोई ऐसा अनुभव लिखिए। जब आपने जल्दबाजी में बिना सोचे समझे कदम उठाया हो। परिणामतः इस लापरवाही की बहुत बड़ी सज़ा भुगतनी पड़ी हो।

प्रश्न.2. यदि आप महाभारत के 'शान्तनु' के स्थान पर होते तो क्या निर्णय करते? कारण सहित अपने शब्दों में लिखिए।
